14. जब धरती काँपी

0530CH14

एक बुरा सपना!

ओह! .... क्या हुआ! ऊँह, ऊँह! बचाओ, बचाओ! जल्दी आओ! चारों तरफ़ चीखने-चिल्लाने की आवाज़ें। पैरों के नीचे ज़मीन हिलती हुई और चारों तरफ़ भागते हुए घबराए लोग।

मैं ज़ोर से चिल्लाई और एकदम से मेरी आँख खुल गई। मेरी चीख से माँ भी नींद से जाग गईं। वे भागी आईं और मुझे अपनी छाती से लगा लिया। ओह, यह तो सपना था। छह साल पहले असल में ऐसा ही हुआ था। उस भूकंप को आए छह साल से भी ज़्यादा हो चुके हैं, पर आज भी कई बार नींद में लगता है, मानो ज़मीन हिल रही है।

मैं गुजरात के कच्छ इलाके में रहने वाली जस्मा हूँ। बात तब की है जब मैं सिर्फ़ ग्यारह साल की थी।

उस दिन गाँव के बच्चे, बड़े, सब स्कूल के आँगन में टी.वी. पर 26 जनवरी की परेड देख रहे थे। अचानक ज़मीन तेज़ी से हिलने लगी। सभी लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे। किसी को भी पता नहीं था कि क्या करना चाहिए।

शिक्षक संकेत–इस पाठ के समय बच्चों को भुज में आए भूकंप के बारे में बताया जाना अच्छा होगा। भूकंप से होने वाले प्रभावों पर चर्चा की जा सकती है।

not to be republished © NCERT

कुछ ही पल में हमारा पूरा गाँव मलबे का ढेर बन गया। हमारा सारा सामान–कपड़े, बर्तन, खाना–सब कुछ मलबे में दब गया। उस समय सभी लोगों का ध्यान दो ही कामों पर था–मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालना और घायलों की मरहम-पट्टी करना। गाँव के अस्पताल को भी नुकसान पहुँचा था। डॉक्टर बाबू ने गाँववालों की मदद से ही घायलों का इलाज किया।

बहुत सारे लोगों को तो गहरी चोटें भी लगीं। मेरी टाँग भी टूट गई। गाँव के छह लोग दबकर मर गए। नाना भी मलबे में दब गए। माँ तो दिनभर रोती रहती थीं। माँ रोती, तो मैं भी रोती। पूरा गाँव ही दुखी और परेशान था।

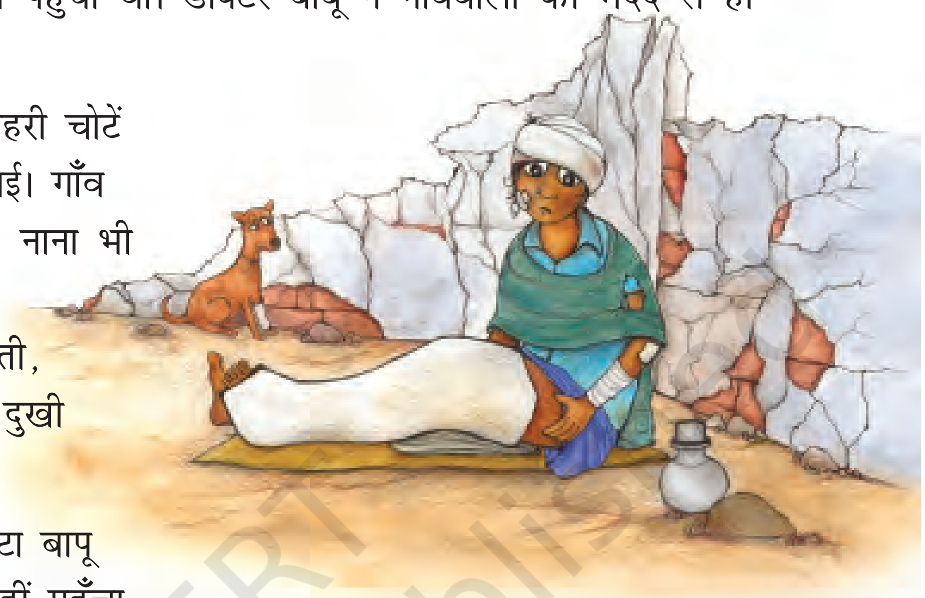

हमारे गाँव के सरपंच, मोटा बापू के घर को ज़्यादा नुकसान नहीं पहुँचा था। उन्होंने अपने गोदाम से सभी को अनाज दिया।

कई दिन तक गाँव की औरतें मिलकर मोटा बापू के घर पर ही सभी गाँववालों के लिए खाना पकाती रहीं।

इतनी ठंड के दिन और वह भी बिना घर के बिताना। रात के समय ठंड और डर, दोनों के मारे नींद ही नहीं आती थी। हर समय यही डर लगा रहता था कि कहीं फिर भूकंप आ गया तो?

चर्चा करो और लिखो

- क्या तुमने या तुम्हारे किसी जानने वाले ने कभी ऐसी मुसीबत का सामना किया है?
- ऐसे समय में किन लोगों ने मदद की? उनकी सूची बनाओ।

© NCERT not to be republished

फिर पहुँची मदद

कई दिन तक हमारा हाल देखने दूर शहर से लोग आते रहे, जैसे कोई तमाशा लगा हो। ये लोग हमें खाने-पीने की चीज़ें, कपड़े और दवाइयाँ भी देते थे। हम में से कुछ को यह सामान मिलता, तो कुछ को नहीं। खूब छीना-झपटी होती थी, इन चीज़ों के लिए। कपड़े मिलते, पर कितने अजीब से। ऐसे कपड़े हमने पहले कभी नहीं पहने थे।

शहर की संस्था से आए लोगों ने सभी के रहने के लिए गुज़ारे लायक तंबू लगाए। सोचो, जनवरी-फरवरी का महीना, कड़कती ठंड और छत के नाम पर प्लास्टिक का तंबू!!

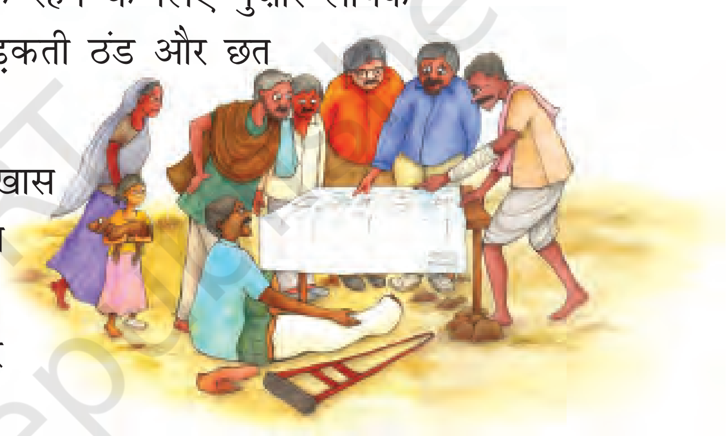

उन लोगों में कुछ वैज्ञानिक भी थे, जो अपने खास तरीकों से पता करते थे कि किस इलाके में भूकंप आने का कितना खतरा है। गाँववालों की उनके साथ कई बार बातचीत हुई। उन लोगों के पास घर बनाने के लिए कुछ सुझाव थे। इन लोगों में कुछ इंजीनियर और कुछ आर्किटेक्ट भी थे। जिन्होंने हमें घरों के खास डिज़ाइन दिखाए। उन्होंने बताया कि खास तरह के डिज़ाइन से भूकंप आने पर कम-से-कम नुकसान होगा। पर गाँव वालों को डर था कि कहीं ऐसा करने से गाँव, अपने गाँव जैसा ही न लगे। आखिर में यही फ़ैसला हुआ कि हम अपना घर अपने-आप मिलकर बनाएँगे, संस्था के सुझाए डिज़ाइन के अनुसार। यह भी निश्चित हुआ कि गाँव का स्कूल वे लोग बनाएँगे।

सबने मिलकर पूरा गाँव फिर से खड़ा किया। गाँव के कुछ लोग सूखे तालाब को खोदकर चिकनी मिट्टी लाए। मिट्टी में फिर गोबर मिलाकर बड़े-बड़े उपले बनाए और उन्हें एक-दूसरे पर रखकर दीवारें खड़ी कीं। चूने से दीवारों की पुताई की। घास-फूस

शिक्षक संकेत—बच्चों के साथ सरकारी संस्थाओं और गैर-सरकारी संस्थाओं पर चर्चा की जाए। उनके इलाके की संस्था के उदाहरण लिए जा सकते हैं। इंजीनियर, आर्किटेक्ट के कार्यों पर चर्चा की जा सकती है।

© NCERT not to be republished

की छत बनाई। फिर आईने के टुकड़ों से घर को सजाया। हमारे घर की दीवारों पर माँ और मैंने चित्रकारी की। अब रात में हमारा घर हीरे-सा चमकता है।

चर्चा करो

- जस्मा के गाँव में बाहर के बहुत सारे लोग आए। ये कौन लोग होंगे? इन लोगों ने किस प्रकार की मदद की होगी?
- जस्मा के गाँव के लोगों ने अपना गाँव संस्था के बताए तरीके के अनुसार फिर से खड़ा किया। घरों को अब कैसे मज़बूत बनाया?
- सोचो, अगर तुम्हारे यहाँ भूकंप आ जाए, तो क्या तुम्हारे घर को भी खतरा होगा? तुम कहाँ रहोगे।
- ऐसे समय में तुम अपने पालतू जानवरों की सुरक्षा तथा देखभाल के लिए क्या करोगे?

लिखो

- अपने घर की तुलना जस्मा के घर से करो। दोनों घरों को बनाने के लिए इस्तेमाल की गई चीज़ों की सूची कॉपी में बनाओ।

जस्मा का घर	आपका घर

क्या-क्या करें?

संस्था के लोगों ने जस्मा के स्कूल में अभ्यास कराया कि भूकंप आने पर क्या-क्या करना चाहिए।

शिक्षक संकेत–बच्चों से कक्षा में बातचीत करें कि अगर ऐसी मुसीबत आने से पहले जानकारी मिल जाए तो क्या कर सकते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान कम हो सके।

© NCERT not to be republished

– अगर हो सके तो घर से बाहर खुले में निकल जाओ।

– अगर घर से बाहर निकल न पाओ, तो फ़र्श पर लेटकर किसी मज़बूत चीज़, जैसे मेज़ के नीचे छिप जाओ। उसे पकड़े रखो ताकि वह फिसलकर तुमसे दूर न जाए। कंपन रुक जाने तक इंतज़ार करो।

– चित्र में देखो, भूकंप आने पर क्या करोगे।

आओ, तुम भी करो अभ्यास
करना है क्या,
जब हो भूकंप का आभास

- क्या तुम्हें कभी स्कूल में या कहीं और इस बारे में बताया गया है कि भूकंप जैसी मुसीबत के समय क्या करना चाहिए?
- भूकंप के समय किसी मज़बूत चीज़ के नीचे छिप जाने को क्यों कहा गया है?

किसने की मदद?

भुज में आए भूकंप की टी.वी. पर आई इस रिपोर्ट को पढ़ो –

सुनील जेकब

अहमदाबाद, जनवरी 26, 2001

आज सुबह गुजरात में आए भूकंप में कम-से-कम हज़ार लोगों के मरने की आशंका है। कई हज़ार लोग घायल हो गए। बचाव एवं राहत कार्यों में लोगों की मदद के लिए सेना के जवानों को बुलाया गया है।

अहमदाबाद शहर में कम-से-कम डेढ़ सौ इमारतें ढह गईं। इनमें लगभग एक दर्जन बहुमंज़िली इमारतें थीं। आज शाम तक इनके नीचे से कम-से-कम ढाई सौ शव निकाले जा चुके हैं। कहा जा रहा है कि अभी भी कई हज़ार लोग ढह गई इमारतों के मलबे के नीचे दबे हुए हैं। बचाव कार्य तेज़ी से चल रहा है। शहर की शायद ही कोई इमारत होगी, जिसमें दरारें न पड़ी हों।

भुज की हालत इससे भी ज़्यादा खराब है। चारों ओर डरे हुए लोग भगदड़ मचाए हुए हैं। जवानों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से काम किया है। राहत कार्य के लिए देश और विदेश से हर तरह की सहायता के आश्वासन मिल रहे हैं।

© NCERT not to be republished

लिखो

- टी.वी. की रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में हज़ारों लोग घायल हुए और मरे भी। अगर यहाँ बनी इमारतें भूकंप से सुरक्षित होतीं, तो क्या नुकसान में कुछ अंतर होता? क्या?
- ऐसे समय पर जब लोगों के घर ही नहीं रहे, तब लोगों को किस-किस तरह की राहत की ज़रूरत पड़ी होगी?
- ऐसे में किन-किन की मदद की ज़रूरत पड़ती होगी और किस काम के लिए? कॉपी में तालिका बनाकर लिखो।

किन-किन की मदद की ज़रूरत	काम में मदद
1. कुत्ता	सूँघकर जानना कि लोग कहाँ दबे हैं
2. ____________	____________

चर्चा करो

- क्या तुमने कभी अपने इलाके में देखा है कि आस-पड़ोस के लोगों ने मिलकर एक-दूसरे की मदद की हो? कब-कब?
- लोग अकसर एक जगह पर पास-पास क्यों बसते हैं?
- अगर तुम्हारा घर अपने इलाके में अकेला घर होता यानी तुम्हारे आस-पास कोई न रहता तो कैसा होता? जैसे – तुम किसके साथ खेलते? क्या अकेले डर लगता? सभी त्योहार और खास मौके किसके साथ मिलकर मनाते, इत्यादि?
- लोगों को कई बार ऐसी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिनमें जान और माल का भारी नुकसान होता है। कई लोग बेघर हो जाते हैं। पिछले

© NCERT not to be republished

कुछ एक महीनों के अखबारों से दुनिया में आए भूकंप, बाढ़, आग, तूफ़ान आदि के बारे में समाचार इकट्ठे करो। उन्हें कॉपी में चिपकाओ।

तुम्हारी समाचार रिपोर्ट

- तुम अपनी समाचार रिपोर्ट तैयार करो जिसमें इन बातों का ज़िक्र हो।
  - संकट का कारण
  - तारीख और समय
  - किस-किस तरह के नुकसान हुए? (जान, माल, रोज़गार का नुकसान)
  - कौन-कौन लोग मदद के लिए आए और ज़िम्मेदारी ली (कौन-कौन से सरकारी दफ़्तर तथा अन्य सस्थाएँ)
- क्या तुम्हारे इलाके में कभी लोगों ने भुखमरी, सूखा जैसी मुसीबतों का सामना किया है? ऐसे समय में खाने-पीने की भारी कमी हो जाती है। अखबार से देश-विदेश की ऐसी खबरें ढूँढ़ो और उन पर एक रिपोर्ट तैयार करो।
- किसी मुसीबत के समय तुम्हें अपने इलाके में इनकी ज़रूरत पड़ सकती है। इनसे संपर्क करने के लिए तुम इनके फ़ोन नंबर तथा पूरा पता कॉपी में लिखो। इस सूची में कुछ और नाम भी जोड़ो।

	पता	फोन नंबर
दमकल केंद्र	______	______
नज़दीकी अस्पताल	______	______
एम्बुलेंस	______	______
पुलिस थाना	______	______

शिक्षक संकेत–जब कक्षा में आस-पड़ोस के महत्त्व पर चर्चा हो, तो बच्चों को कुछ उदाहरण दिए जा सकते हैं, जैसे– घर में विवाह या किसी की मृत्यु या रोज़मर्रा के काम। अखबारों से लेख इकट्ठा करके बच्चों को अलग-अलग समूहों में बाँटकर विभिन्न आपदाओं के बारे में रिपोर्ट तैयार करवाई जा सकती है। बच्चों को बताएँ कि किस तरह अलग-अलग आपदाएं , अलग-अलग लोगों को ज़्यादा नुकसान पहुँचाती हैं। जैसे– बाढ़ से किसान, सुनामी से मछुआरे। बच्चों को आपदाओं से निबटने की तैयारी हेतु फिल्म दिखाना, किट्स (kits) बनवाना और मॉक-ड्रिल (mock-drill) आदि करवायें वेबलिंक: http:\\www.ndma.gov.in का इस्तेमाल कर सकते हैं।

© NCERT not to be republished

पहचानो संकट के समय को

इन शब्दों की मदद से रिपोर्ट तैयार करो–

बाढ़, नदी का पानी, घायल लोग, खाने के पैकेट, राहत कार्य, कैंपों में रहना, लोगों के शव, जानवरों के बहते शरीर, डूबे घर, आकाश से निरीक्षण, दु:खी लोग, गंदे पानी से बीमारियाँ, बेघर लोग, सामूहिक भोजन, फँसे लोग।

हम क्या समझे

बाढ़ के समय किस-किस तरह की परेशानियाँ आती होंगी? चित्र देखो – बाढ़ के बाद बच्चे किस तरह के स्कूल में पढ़ने के लिए आए हैं? लिखो, बाढ़ के बाद भी ज़िंदगी को दोबारा पटरी पर लाने में और क्या-क्या करना पड़ा होगा।

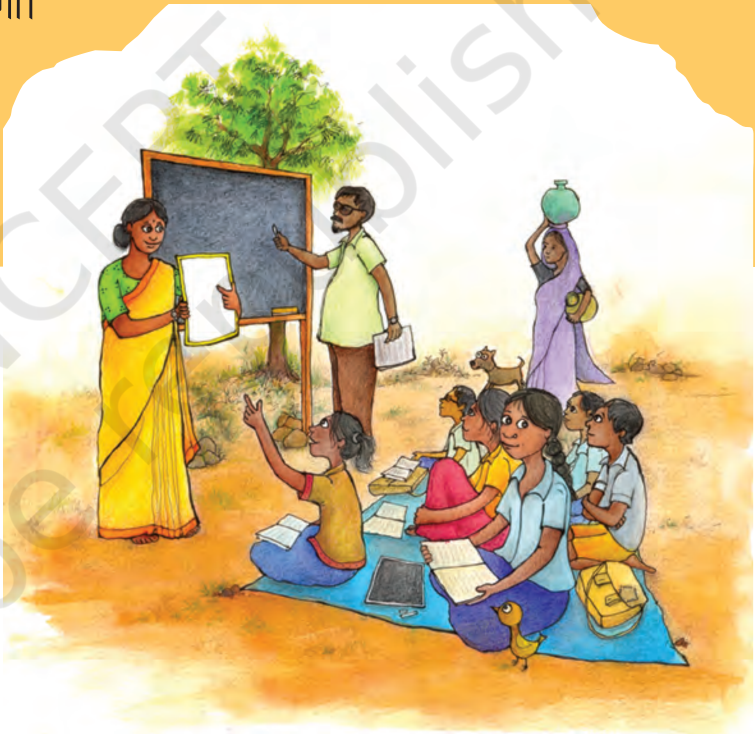

शिक्षक संकेत–आस पड़ोस के महत्ता के बारे में चर्चा करते हुए विभिन्न उदाहरण जैसे रोज़ाना बातचीत, पड़ोस में शादी या मृत्यु आदि को इस्तेमाल कर सकते हैं। अखबारों से समाचार इकट्ठा कर, बच्चे विभिन्न आपदाओं पर समुहों में काम कर सकते हैं। अलग-अलग लोगों को आपदाएं कैसे प्रभावित करती है; इस पर चर्चा करें। जैसे किसान बाढ़ द्वारा और मछुआरे सुनामी द्वारा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं आदि। बच्चों को आपदा तैयारियों से संबंधित फिल्म दिखाएँ और आपदा किट्स (Kits) को जोड़ने व मॉक ड्रिल (Mock Drills) करने के लिए प्रेरित करें।
वेबलिंक: http://www.ndma.gov.in/en का प्रयोग करें।

© NCERT not to be republished